भारत NCAP

सन्दर्भ: केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी आगामी 22 अगस्त, 2023 को भारत एनसीएपी लॉन्च करेंगे।

- भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (भारत NCAP) 3.5 टन तक के वाहनों के लिए सड़क सुरक्षा बढ़ाने की भारत सरकार की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है।
- इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य भारत में सुरक्षित सड़कों को सुनिश्चित करते हुए मोटर वाहनों के सुरक्षा मानकों को बढ़ाना है।
- भारत एनसीएपी कार खरीदारों को बाजार में उपलब्ध विभिन्न मोटर वाहनों की दुर्घटना सुरक्षा का आकलन और तुलना करने के लिए एक उपकरण प्रदान करता है।
- कार निर्माताओं के पास ऑटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड (AIS) 197 के अनुसार स्वेच्छा से अपने वाहनों का परीक्षण करने का विकल्प है।
- इन परीक्षणों में वाहनों के प्रदर्शन के आधार पर, उन्हें वयस्क यात्रियों (AoP) और बाल यात्रियों (CoP) की सुरक्षा के लिए स्टार रेटिंग प्राप्त होती है।
- ये स्टार रेटिंग संभावित खरीदारों को सुरक्षा मानकों का मूल्यांकन और तुलना करने का एक विश्वसनीय तरीका प्रदान करती हैं, जिससे उनके खरीदारी निर्णयों में सहायता मिलती है।
- इस कार्यक्रम से सुरक्षित कारों की बढ़ती मांग को प्रोत्साहित करने की उम्मीद है, जिससे निर्माताओं को ग्राहकों की प्राथमिकताओं के साथ जुड़ने के लिए प्रेरित किया जा सकेगा।
- उन्नत सुरक्षा मानक विश्व स्तर पर भारतीय कारों की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ा सकते हैं, जिससे संभावित रूप से भारतीय निर्माताओं की निर्यात क्षमताओं को बढ़ावा मिल सकता है।
- भारत NCAP के कार्यान्वयन से भारत में सुरक्षा के प्रति जागरूक कार बाजार तैयार होने की संभावना है।

सड़क सुरक्षा के लिए अन्य पहल

- सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) ने वर्ष 2020 में स्वीडन में वैश्विक लक्ष्य 2030 प्राप्त करने के लिए सड़क सुरक्षा पर तीसरे उच्च स्तरीय वैश्विक सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।
- इस सम्मेलन के दौरान, 2030 तक भारत में शून्य सड़क मृत्यु दर प्राप्त करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की संकल्पना की गई।
- भारत ने सड़क पर होने वाली मौतों को कम करने की प्रतिबद्धता, ब्रासीलिया घोषणा का समर्थन किया, जिस पर ब्राजील में सड़क सुरक्षा पर दूसरे वैश्विक उच्च-स्तरीय सम्मेलन के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे।
- वर्ष 2019 के मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम ने दोषपूर्ण वाहनों और किशोर ड्राइविंग से संबंधित विभिन्न यातायात उल्लंघनों के लिए बढ़े हुए मापदंड की शुरुआत की।
- एमवी (संशोधन) अधिनियम ने मोटर वाहन दुर्घटना कोष की भी स्थापना की, जिसे विशिष्ट प्रकार की दुर्घटनाओं के लिए भारत में सभी सड़क उपयोगकर्ताओं को अनिवार्य बीमा कवरेज प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

लूना-25

सन्दर्भ: रोस्कोस्मोस ने घोषणा की कि लूना-25 मिशन चंद्रमा की सतह पर क्रैश लैंडिंग के साथ समाप्त हुआ, जो उनके प्रयासों का एक निराशाजनक परिणाम है।

- लूना-25 (एक रूसी चंद्र लैंडर मिशन), रोस्कोस्मोस द्वारा अगस्त 2023 में लॉन्च किया गया था।
- इस मिशन का लक्ष्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट बोगुस्लावस्की क्रेटर पर उतरना था।
- शुरुआत में इसका नाम लूना-ग्लोब रखा गया था, बाद में सोवियत लूना कार्यक्रम से जुड़ने के लिए इसका नाम बदलकर लूना 25 कर दिया गया।
- यह रोस्कोस्मोस द्वारा भेजा गया रूस का पहला चंद्र जांच मिशन था (सोवियत कार्यक्रम को छोड़कर)।
- यह मिशन 10 अगस्त, 2023 को सोयुज-2.1बी रॉकेट पर वोस्तोक कोस्मोड्रोम से लॉन्च किया गया था।
- दुर्भाग्य से, 19 अगस्त, 2023 को एक गलत कक्षीय परिवर्तन के कारण लैंडर चंद्रमा से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

वैज्ञानिक पेलोड

लूना-25 के विज्ञान पेलोड में आठ रूसी उपकरण और एक स्वीडिश पेलोड शामिल थे।

- **ADRON-LR**: न्यूट्रॉन और गामा-रे विश्लेषण का उपयोग करके इससे रेजोलिथ का विश्लेषण किया गया।
- **ARIES-L**: इसके माध्यम से एक्सोस्फेरिक प्लाज्मा मापा गया।
- **LASMA-LR**: यह एक नियोजित लेजर मास-स्पेक्ट्रोमेट्री का कार्य किया।
- **LIS-TV-RPM**: इसके द्वारा खनिजों और इमेजिंग की इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोमेट्री की गई।
- **PmL**: इसकी सहायता से धूल और सूक्ष्म उल्कापिंडों को मापा गया।
- **THERMO-L**: इसके द्वारा रेजोलिथ के तापीय गुणों का मूल्यांकन किया गया।
- **STS-L**: इसकी सहायता से पैनोरमिक और स्थानीय इमेजिंग प्रदान की गई।
- **लेजर रेट्रोरिफ्लेक्टर**: मून लाइब्रेशन और रेंजिंग प्रयोगों के संचालन हेतु उत्तरदायी।
- **लीना-XSAN**, एक स्वीडिश पेलोड, लूना 25 के लिए बनाया गया था, लेकिन लॉन्च में देरी के कारण इसे चांग'ई 4 में ले जाया गया।

ESA's PILOT-D लूना 25 के लिए नेविगेशन कैमरे की योजना बनाई गई थी, लेकिन 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण और उसके बाद के प्रतिबंधों के कारण अनिश्चितताओं के कारण इसे एक वाणिज्यिक प्रदाता में बदल दिया गया। इस उपकरण का उद्देश्य भविष्य के मिशन लैंडिंग के लिए डेटा एकत्र करना था और यह जांच प्रणाली का अभिन्न अंग नहीं था।

भारत में ग्रीन हाइड्रोजन

सन्दर्भ:राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की प्रगति में एक महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में, भारत सरकार ने औपचारिक रूप से एक हरित हाइड्रोजन मानक लॉन्च किया है।

- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने हाइड्रोजन उत्पादन के लिए उत्सर्जन मानक स्थापित करने और इसके नवीकरणीय स्रोत की पुष्टि करने के लिए ग्रीन हाइड्रोजन मानक तैयार किया है।
- इस मानक में इलेक्ट्रोलिसिस और बायोमास-आधारित तरीकों से उत्पन्न हाइड्रोजन शामिल है।
- **अन्य हितधारकों के साथ परामर्श के बाद, ग्रीन हाइड्रोजन को वेल-टू-गेट उत्सर्जन के रूप में परिभाषित किया गया है जो प्रति किलोग्राम H_2 के बराबर 2 किलोग्राम CO_2 से अधिक नहीं है।**
- एमएनआरई हरित हाइड्रोजन और उसके डेरिवेटिव के मूल्यांकन, रिपोर्टिंग और प्रमाणीकरण करने के लिए एक व्यापक ढांचा विकसित करेगा।

- ऊर्जा मंत्रालय के तहत ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं की देखरेख करने वाली एजेंसियों को मान्यता देने के लिए जिम्मेदार है।
- भारत द्वारा इस मानक को अपनाने से हरित हाइड्रोजन के संदर्भ में अग्रणी देश बन गया है और सतत हाइड्रोजन उत्पादन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि भी करता है।

रंग-कोडित हाइड्रोजन

- **हरा हाइड्रोजन**: इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा से निर्मित, उत्पादन के दौरान कोई CO_2 उत्सर्जित नहीं करता।
- **नीला हाइड्रोजन**: कार्बन कैप्चर के साथ प्राकृतिक गैस से उत्पादित, CO_2 उत्सर्जन को कम करता है।
- **ग्रे हाइड्रोजन**: आमतौर पर प्राकृतिक गैस से बना होता है, इसमें CO_2 कैप्चर की कमी होती है।
- **काला/भूरा हाइड्रोजन**: कोयले से निर्मित, पर्यावरण की दृष्टि से अत्यधिक हानिकारक।
- **गुलाबी/बैंगनी/लाल हाइड्रोजन**: परमाणु-संचालित इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा उत्पन्न, हाइड्रोजन विकल्पों का विस्तार।
- **फ़िरोज़ी हाइड्रोजन**: मीथेन पायरोलिसिस का उपयोग करने वाली उभरती हुई विधि, नवीकरणीय ऊर्जा और कार्बन भंडारण पर निर्भर।
- **पीला हाइड्रोजन**: सौर-संचालित इलेक्ट्रोलिसिस से प्राप्त।
- **सफेद हाइड्रोजन**: भूमिगत भंडार से प्राप्त प्राकृतिक हाइड्रोजन जिसका अभी तक उपयोग नहीं किया गया है।

प्याज का बफर बढ़ाया गया

सन्दर्भ: एक असाधारण निर्णय में, सरकार ने इस वर्ष प्याज की बफर स्टॉक को बढ़ाकर 500,000 मीट्रिक टन कर दिया है, जो 300,000 मीट्रिक टन के प्रारंभिक खरीद लक्ष्य को पार कर गया है।

- उपभोक्ता मामलों के विभाग ने अतिरिक्त खरीद लक्ष्य हासिल करने के लिए एनसीसीएफ और एनएएफईडी को प्रत्येक को 100,000 टन प्याज खरीदने का निर्देश दिया है।
- प्रमुख उपभोग क्षेत्रों में खरीदे गए स्टॉक को खरीदने और रणनीतिक रूप से वितरित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- प्याज को बफर से उन बाजारों में जारी किया जा रहा है जहां कीमतें राष्ट्रीय औसत से अधिक हैं या पिछले महीने से बढ़ी हैं।
- लगभग 1,400 मीट्रिक टन बफर प्याज लक्षित बाजारों में भेज दिया गया है और लगातार जारी किया जा रहा है।
- भविष्य की खुदरा बिक्री में अधिक एजेंसियां और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म शामिल होंगे।
- बफर खरीद का उद्देश्य, लक्षित स्टॉक रिलीज और निर्यात शुल्क लगाने सहित सरकारी उपायों के माध्यम से किसानों के लिए उचित मूल्य और उपभोक्ताओं के लिए सस्ती उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

NAFED (नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड)

- इसे भारत में कृषि और वन व्यापार को बढ़ावा देने के लिए 2 अक्टूबर, 1958 को स्थापित किया गया।
- यह बहु-राज्य सहकारी सोसायटी अधिनियम के तहत पंजीकृत है।
- यह कृषि उत्पादों आदि के लिए विपणन और व्यापार को बढ़ावा देता है।
- यह भारत की सबसे बड़ी खरीद और विपणन एजेंसियों में से एक है।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है, देश भर में इसके कई क्षेत्रीय कार्यालय हैं।

NAFED के अन्य कार्यों में शामिल हैं:

- कृषि और अन्य वस्तुओं के लिए सहकारी संस्थानों की विपणन और व्यापारिक गतिविधियों को सुविधाजनक बनाना, समन्वय करना और बढ़ावा देना।
- बीज, उर्वरक, मशीनरी और उपकरणों जैसी कृषि आवश्यकताओं की खरीद, बिक्री और आपूर्ति का दायित्व लेना।
- वेयरहाउसिंग अधिनियम के तहत एक वेयरहाउस ऑपरेटर के रूप में कार्य करना, भंडारण सुविधाओं का स्वामित्व और निर्माण करना।
- विभिन्न कृषि और उपभोक्ता वस्तुओं की खरीद, बिक्री और वितरण में सरकारी एजेंसियों या सहकारी समितियों के लिए एक एजेंट के रूप में कार्य करना।
- एक बीमा एजेंट के रूप में कार्य करना और संबंधित गतिविधियों का संचालन करना।
- भारत और विदेशों में सहकारी विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सहयोग करना, विपणन और प्रसंस्करण को पारस्परिक रूप से लाभान्वित करना।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ)

एनसीसीएफ के बारे में:

- एनसीसीएफ भारत में स्थापित एक सहकारी संघ है।
- यह उचित मूल्य पर आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करके उपभोक्ताओं की सेवा करने पर केंद्रित है।
- एनसीसीएफ सहकारी सिद्धांत पर काम करता है, जिसमें विभिन्न सहकारी समितियों और संस्थानों की भागीदारी शामिल है।
- यह उत्पादकों, उपभोक्ताओं और वितरण चैनलों के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करता है।
- एनसीसीएफ खाद्य पदार्थों सहित आवश्यक वस्तुओं को किफायती दरों पर वितरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- यह बाज़ार में कीमतों को स्थिर करने में योगदान देता है, विशेष रूप से मूल्य अस्थिरता के दौरान।
- एनसीसीएफ का एक प्रमुख कार्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को विनियमित करना और स्थिर बनाए रखना है।
- उपभोक्ताओं के लिए पहुंच सुनिश्चित करने के लिए यह अक्सर रियायती दरों पर सामान बेचता है।
- प्याज जैसी वस्तुओं के मामले में, एनसीसीएफ कीमतों को स्थिर करने और लगातार आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बफर स्टॉक के प्रबंधन में शामिल हो सकता है।
- एनसीसीएफ किसानों को उनकी उपज के लिए एक स्थिर बाजार प्रदानकरता है।
- यह कृषि उत्पादकों और उपभोक्ताओं के बीच की दूरी को सिमित है।

सफेद पेट वाला समुद्री ईगल

सफ़ेद पेट वाला समुद्री ईगल क्या है?

- यह एक बड़ा दैनिक शिकारी पक्षी है।
- भारतीय सफेद पेट वाले समुद्री ईगल ऑस्ट्रेलिया और थाईलैंड की तरह बिजली के टावरों पर घोंसला रहे हैं।

वैज्ञानिक नाम: हैलियाएटस ल्यूकोगास्टर।

वितरण रेंज:

- ये पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में पाया जाता है।
- यह दक्षिणी चीन से ऑस्ट्रेलिया, भारत से न्यू गिनी तक के क्षेत्र तक विस्तृत हैं।
- इन्हें सिंगापुर, इंडोनेशिया, फिलीपींस जैसे देशों में भी देखा गया है।

पसंदीदा आवास:

- समुद्री तटों, द्वीपों और मुहल्लों के पास पर्यावास।
- इन्हें छोटे जल निकायों तक पहुंच वाले वन क्षेत्रों में भी देखा जाता है।

विशिष्ट प्रकृति:

- उल्लेखनीय सफेद सिर, गर्दन, पेट और जांघें; गहरे भूरे से काले रंग की पीठ और पंख।
- गहरी-भूरी से काली आँखें, नीली-ग्रे झुकी हुई चोंच, शल्कयुक्त पंख रहित पैर।

प्रमुख आहार:

- ये मुख्य रूप से मछली खाने वाले होते हैं।
- ये जलीय पक्षियों, छोटे स्तनधारियों का भी शिकार करते हैं।

संरक्षण की स्थिति:

IUCN स्थिति: कम चिंता का विषय।

अशोक-युग के शिलालेख

दक्षिणी दिल्ली में अशोक का शिलालेख:

- यह दक्षिण दिल्ली के ईस्ट ऑफ कैलाश में कालकाजी मंदिर के पास स्थित है।
- इसमें कलिंग युद्ध के बाद सम्राट अशोक के बौद्ध धर्म अपनाने के बाद उनकी धम्म नीति को दर्शाया गया है।
- इसका ऐतिहासिक महत्व है,यह चाहमानों, लोधियों और खिलजियों से भी पहले का है।

ऐतिहासिक संदर्भ और स्थान:

- उत्कीर्णन लगभग पढ़ने योग्य नहीं; एक लोहे के बाड़े के अंदर संरक्षित।
- यह किसी पुराने मंदिर से संबद्ध है, शायद वैधता के लिए।
- यह उत्तर-पश्चिम को गंगा के मैदानों से जोड़ने वाले मुख्य व्यापार मार्ग पर स्थित है।

दिल्ली में अशोक के स्तंभ:

- अशोक के दो शिलालेख दिल्ली में स्तंभों पर मौजूद हैं।
- एक हिंदू राव अस्पताल के पास और दूसरा फ़िरोज़ शाह कोटला में।

स्तंभों की उत्पत्ति और प्रवासन:

- दिल्ली में स्थापित नहीं हुए मूल स्तंभ; फ़िरोज़ शाह तुगलक (14वीं शताब्दी के शासक) द्वारा लाया गया।
- एक स्तंभ टोपरा (हरियाणा के पास) का है और दूसरा मेरठ का है।
- सैन्य अभियानों के दौरान सम्राट स्तंभों सेअकर्षित हो गए और इन्हें मूल स्थान से स्थानांतरित कर दिया।

स्तंभों का परिवर्तन:

- समय के साथ स्तंभों के स्वामित्व बदल गए।
- ये शासकों और लोगों सहित विभिन्न शताब्दियों के शिलालेख हैं।

चीन में लघु प्रतिकृतियाँ

लघु प्रतिकृतियों का उद्भव:

- घरों की लघु प्रतिकृतियाँ चीन में लोकप्रियता प्राप्त कर रही हैं।
- ये समाज में तेजी से हो रहे आधुनिकीकरण और बदलावों को प्रतिबिंबित करती हैं।

स्मृतियों का संरक्षण:

- ये ध्वस्त या परिवर्तित घरों की यादों को संरक्षित करने के लिए तैयार किए गए लघुचित्र हैं।
- ये शहरीकरण और पुनर्विकास के कारण लुप्त हो रही संरचनाओं को संरक्षित करती हैं।

परिवर्तन के प्रति कलात्मक प्रतिक्रिया:

- लघु कलाकार शहरीकरण के सांस्कृतिक और भावनात्मक प्रभाव को संबोधित करते हैं।
- बचपन के घरों से जुड़ी भावुकता और पुरानी यादों को व्यक्त करें।

लघुचित्रों का प्रतीकवाद:

- लघु प्रतिकृतियाँ अतीत और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ाव का प्रतीक हैं।
- ये सौन्दर्यपरक प्रशंसा से परे भावनात्मक मूल्य रखती हैं।

विशिष्ट शिल्प और ऑनलाइन प्रभाव:

- यह लघु कलाकारों का एक छोटा लेकिन बढ़ता हुआ समुदाय है।
- ये डॉयिन जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पर्याप्त फॉलोअर्स प्राप्त कर रहें हैं।

	सांस्कृतिक परिवर्तन: ➢ ये कम समय में चीन की गरीबी से एक प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्था तक की यात्रा को दर्शाते हैं। ➢ शहरीकरण से परिदृश्य और पड़ोस में परिवर्तनको संदर्भित करते हैं।
आर्टेमिस 2 मिशन 	**आर्टेमिस 2 मिशन क्या है?** आर्टेमिस 2 मिशन नासा के आर्टेमिस कार्यक्रम के अंतर्गत दूसरी चालक दल वाली उड़ान है। इसका प्राथमिक उद्देश्य अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा तक पहुंचाना है, यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगी क्योंकि 1972 के बाद ऐसा पुन: किया जायेगा। **मिशन विवरण:** चार अंतरिक्ष यात्री स्पेस लॉन्च सिस्टम (एसएलएस) और ओरियन अंतरिक्ष यान का उपयोग करके लौटने से पहले चंद्रमा की परिक्रमा करेंगे। **प्रतिभागी**: इसमें नासा और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। **मूल्यांकन:** चालक दल और नियंत्रक चंद्र मिशन के लिए ओरियन के प्रदर्शन और तैयारी का मूल्यांकन करेंगे। **आर्टेमिस कार्यक्रम अवलोकन:** **नासा का मिशन:** मंगल मिशन के अग्रदूत के रूप में अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर वापस लाने का लक्ष्य है। **समावेशन:** पहली महिला और पहले अश्वेत व्यक्ति को चंद्रमा की सतह पर उतारने का प्रयास। **लूनर गेटवे:** इसमें चंद्रमा की परिक्रमा करने वाले लूनर गेटवे अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण शामिल है। **आर्टेमिस I**: 16 नवंबर, 2022 को एसएलएस रॉकेट पर ओरियन अंतरिक्ष यान की सफल मानव रहित परीक्षण उड़ान।
समाचारों में स्थान **सैन डिएगो काउंटी**	हाल ही में, तूफान हिलेरी के सैन डिएगो काउंटी से दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे बीच रविवार को टकराने की भविष्यवाणी की गई है। **भौगोलिक स्थिति:** ➢ कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका के दक्षिणी भाग में स्थित है। ➢ इसकी सीमा पश्चिम में प्रशांत महासागर और दक्षिण में मेक्सिको से लगती है। **काउंटी सीट:** सैन डिएगो सैन डिएगो काउंटी की काउंटी सीट है। **प्रमुख शहर:** सैन डिएगो, चुला विस्टा और ओशनसाइड। **मेक्सिको सीमा:** अमेरिका-मेक्सिको सीमा से निकटता, तिजुआना, मेक्सिको, एक पड़ोसी शहर है। **पर्यटक आकर्षण:** बाल्बोआ पार्क, सैन डिएगो चिड़ियाघर, यूएसएस मिडवे संग्रहालय और सीवर्ल्ड जैसे विभिन्न आकर्षणों का घर। **तूफान हिलेरी क्या है?** ➢ तूफान हिलेरी हाल ही में एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात के रूप में उभरा, जिसने सैन डिएगो काउंटी को प्रभावित किया। ➢ 80 से अधिक वर्षों में दक्षिणी कैलिफोर्निया में आने वाला पहला उष्णकटिबंधीय तूफान होने के कारण इसका महत्व बढ़ गया, जो इस क्षेत्र में इसकी असामान्य घटना को दर्शाता है।

POINTS TO PONDER

- **चंद्रयान-3 में** SHAPE **मॉड्यूल का क्या कार्य है**? –रहने योग्य एक्सोप्लैनेट की पहचान करने में सहायता करना
- **मर्कोसुर, जिसे दक्षिण का आम बाज़ार भी कहा जाता है, क्या है**? –दक्षिण अमेरिकी राज्यों का आर्थिक और राजनीतिक समझौता
- **बाल देखभाल गृहों की वास्तविक समय की निगरानी के लिए** NCPCR **द्वारा विकसित ऐप क्या है**? – मासी (**MASI**)
- **किस कोशिका रेखा को "अमर कोशिका रेखा" के रूप में जाना जाता है, जिसका व्यापक रूप से वैज्ञानिक अनुसंधान में उपयोग किया जाता है**? – HeLa
- **2015 में किस देश ने 'स्पंज सिटी पहल' शुरू की**? –चीन